## अनन्तरायनसंस्कृतग्रन्थविलिः।

**ग्रन्थाङ्कः** 

## विष्णुसंहिता

संस्कृतग्रन्थप्रकाशनकार्याध्यक्षेण लण्डनपुरस्थराजकीयैष्याखण्डीयविद्यासेवकसमाजपूज्यसम्यपदभाजा पिहेच्. डि. (दूबिश्चन्) पदसत्कृतेन महामहोपाध्यायेन त. गणपतिशास्त्रिणा संशोधिता ।

सा च अनन्तशयने महामहिमश्रीसेतुलक्ष्मीमहाराज्ञीशासनेन राजकीयग्रुद्रणयन्त्रालये तद्ध्यक्षेण मुद्रयित्वा प्रकाशिता ।

कोलम्बाब्दाः १९०१, कैस्ताब्दाः १९२५.

## विषयानुऋमणी।

|       | विषय:.                       | पृष्ठम् .  | पटल:.      | विषय:.             | पृ <b>ष्टम्</b> · |
|-------|------------------------------|------------|------------|--------------------|-------------------|
| पटछ:. |                              | 9          | 96         | बिम्बशुद्धिः       | 998               |
| ٩     | तन्त्रोद्देशः                | 1 :<br>E   | 90         | अधिवासः            | 926               |
| २     | तन्त्रव्याख्या               |            | T. (S.H.)  | प्रतिष्ठाविधिः     | 935               |
| 3     | विष्णुवैभवम्                 | 99         | 96         | प्रतिष्टानन्तरकिया | 986               |
| ¥     | क्षेत्रनिर्णयः               | २०         | 74.        | उत्सवाविधिः        | 948               |
| ч     | मन्त्रोद्धारः                | २६         | २०         |                    | 958               |
| 8     | अर्चनाविधि:                  | ЯR         | 39         | यात्रा             |                   |
| v     | मुद्रालक्षणम्                | 89         | 3.         | बलिदानविधिः        | 963               |
|       | भुप्तारम् ।<br>अग्निसंस्कारः | 80         | २३         | विश्वार्चनम्       | 969               |
| ۷     | मण्डललक्षणम्                 | 6 kg       | 3.8        | जीर्णोद्धारः       | 166               |
| 9     |                              | <b>६</b> २ | 44         | प्रायश्चित्तविधिः  | 990               |
| 90    | दीक्षाविधिः                  | ٠<br>۱     | २६         | स्नपनविधिः         | 304               |
| 79    | दीक्षिताभिषेकः               |            | <b>२</b> ७ | प्रोक्षणविधिः      | 503               |
| 93    |                              | 96         | 36         | कर्मशेपः           | २२२               |
| 93    | प्रासाद्विधिः                | 60         |            |                    | २३१               |
| 98    | बिम्बलक्षणम्                 | 48         | ર ૧        |                    | 281               |
| 40    | प्रतिष्ठाप <b>ञ्च</b> कम्    | 908        | ३०         | भ्रतवता यागः       |                   |